Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'अज्ञानता के आवरण' का विचार किसने दिया?



अ प्लेटो

ब अरस्तू

स जॉन रॉल्स

द रूसो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. सामाजिक न्याय का संबंध मुख्य रूप से किससे है?

अ सामाजिक नियमों को समाप्त करने से

ब सामाजिक लाभों और कर्तव्यों के न्यायपूर्ण वितरण से

स केवल धनी व्यक्तियों को लाभ पहुँचाने से

द केवल अपराधियों को दंड देने से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. 'समान लोगों के प्रति समान बर्ताव' के सिद्धांत के अनुसार किस आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए?

अ जाति, नस्ल या लिंग

ब कार्य और प्रयास

स योग्यता और कौशल

द कार्य की जिम्मेदारी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. समानुपातिक न्याय के अंतर्गत पारिश्रमिक का निर्धारण किस आधार पर किया जाना चाहिए?

अ केवल जन्म के आधार पर

ब केवल जाति के आधार पर

स प्रयास, कौशल और कार्य की प्रकृति के आधार पर

द सभी को हर स्थिति में समान पारिश्रमिक देकर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5. 'विशेष जरूरतों का विशेष ख्याल' सिद्धांत किस बात का समर्थन करता है?

अ जरूरतमंद व्यक्तियों को विशेष सहायता देने का

ब सभी व्यक्तियों की जरूरतों को अनदेखा करने का

स केवल संपन्न व्यक्तियों को सुविधाएँ देने का

द कमजोर व्यक्तियों को अवसरों से वंचित करने का

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. किस दार्शनिक ने कहा कि राजा को गलत कार्य करने वालों को दंड और अच्छे कार्य करने वालों को पुरस्कार देना चाहिए?

अ कन्फ्यूशस

ब जॉन रॉल्स

स इमैनुएल कांट

द सुकरात

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. न्यायपूर्ण वितरण का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

अ सामाजिक असमानताओं को स्थायी बनाना

ब नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं और

स अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना

केवल बाजार के लाभ को बढ़ाना

द समाज के कमजोर वर्गों की उपेक्षा करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. निम्नलिखित में से कौन-सी न्यूनतम बुनियादी आवश्यकता है?

अ विलासितापूर्ण वस्तुएँ

ब महँगी सजावटी सामग्री

स शुद्ध पेयजल

द अत्यधिक संपत्ति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. मुक्त बाजार के समर्थक मुख्य रूप से किसका समर्थन करते हैं?

अ प्रत्येक आर्थिक गतिविधि पर पूर्ण सरकारी नियंत्रण

ब सभी प्रकार की प्रतिस्पर्धा समाप्त करने का

स व्यक्तियों की आर्थिक स्वतंत्रता समाप्त करने का

द स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा और बाजार व्यवस्था का

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. जब बाजार गरीब लोगों को आवश्यक बुनियादी सेवाएँ उपलब्ध नहीं करा पाता, तब सामाजिक न्याय के लिए क्या आवश्यक हो सकता है?

अ गरीबों को सुविधाओं से वंचित करना

ब राज्य का हस्तक्षेप

स सभी सार्वजनिक सेवाएँ बंद करना

द सामाजिक असमानता बढ़ाना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

11. . 'द रिपब्लिक' पुस्तक के लेखक _____ हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

12. 'द रिपब्लिक' में प्लेटो ने _____ के मुद्दों पर चर्चा की है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

13. व्यक्तियों के प्रयास और योग्यता के अनुपात में प्रतिफल देने का सिद्धांत _____ न्याय कहलाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

14. सामाजिक न्याय के लिए लोगों की _____ जरूरतों का विशेष ख्याल रखना आवश्यक है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

15. गंभीर सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए संसाधनों का _____ आवश्यक हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

16. न्याय में प्रत्येक व्यक्ति को उसका 'प्राप्य' देने से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: प्रत्येक व्यक्ति को उसका उचित अधिकार, सम्मान और न्यायसंगत हिस्सा देना ही उसका प्राप्य देना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

17. न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी क्यों बाँधी जाती है?



उत्तर: न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी निष्पक्षता का प्रतीक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

18. जॉन रॉल्स के अनुसार न्यायपूर्ण व्यवस्था बनाते समय किस वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर:

समाज के सबसे कमजोर, वंचित और न्यूनतम सुविधाएँ प्राप्त करने वाले वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

19. न्यायपूर्ण समाज के लिए आवश्यक किन्हीं दो न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं के नाम लिखिए।

उत्तर: भारतीय धर्मनिरपेक्षता की प्रमुख विशेषता राज्य और धर्म के बीच सिद्धांतगत दूरी तथा धार्मिक समुदायों के अधिकारों को मान्यता देना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

20. सामाजिक न्याय के विभिन्न सिद्धांतों के बीच सरकार को क्या स्थापित करना चाहिए?

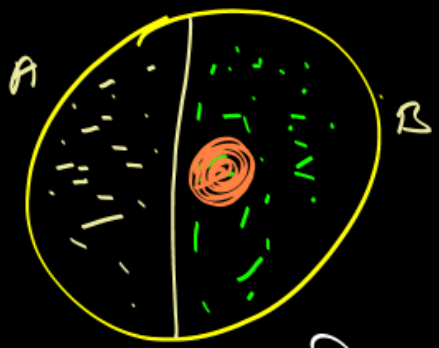
उत्तर: सरकार को सामाजिक न्याय के विभिन्न सिद्धांतों के बीच सामंजस्य और संतुलन स्थापित करना चाहिए।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

21. सामाजिक न्याय से क्या अभिप्राय है?



सम्पदा
↳ नागरिकों
कल्याण
आदिका।

उत्तर —

1. **अर्थ** — सामाजिक न्याय का अभिप्राय समाज के सभी व्यक्तियों को उचित अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करना है।

2. **न्यायपूर्ण वितरण** — समाज में लाभों, कर्तव्यों, वस्तुओं और सेवाओं का उचित बँटवारा होना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. **समान बर्ताव** — व्यक्तियों के साथ जाति, वर्ग, नस्ल या लिंग के आधार पर अनुचित भेदभाव नहीं होना चाहिए।

4. **विशेष जरूरतें** — कमजोर और जरूरतमंद व्यक्तियों को आवश्यक विशेष सहायता मिलनी चाहिए।

5. **बुनियादी सुविधाएँ** — सभी नागरिकों को स्वस्थ और सुरक्षित जीवन के लिए न्यूनतम आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध होनी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

22. सुकरात के अनुसार कौन-सा व्यक्ति अच्छा होता है?

उत्तर — सुकरात के विचारों के अनुसार न्यायपूर्ण आचरण करने वाला और कानूनों का पालन करने वाला व्यक्ति अच्छा होता है।

1. **न्यायपूर्ण आचरण** — व्यक्ति को अन्याय के बजाय न्याय के मार्ग पर चलना चाहिए।
2. **कानून का पालन** — समाज में कानूनों का सम्मान करना आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

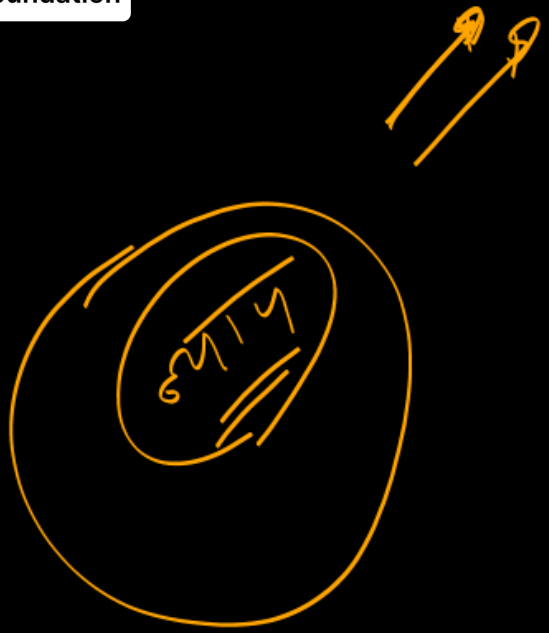
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. सामूहिक हित — व्यक्ति को केवल अपने स्वार्थ के बजाय दूसरों की भलाई का भी ध्यान रखना चाहिए।

4. दीर्घकालीन हित — सुकरात के अनुसार न्यायपूर्ण आचरण करना सभी के दीर्घकालीन हित में है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



23. न्याय क्या है? समझाइए।

उत्तर —

1. **न्याय का अर्थ** — प्रत्येक व्यक्ति को उसका उचित प्राप्य देना न्याय का महत्त्वपूर्ण आधार है।
2. **समान सम्मान** — न्याय में सभी मनुष्यों की गरिमा को स्वीकार किया जाता है।
3. **निष्पक्ष व्यवहार** — व्यक्तियों के साथ अनुचित भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

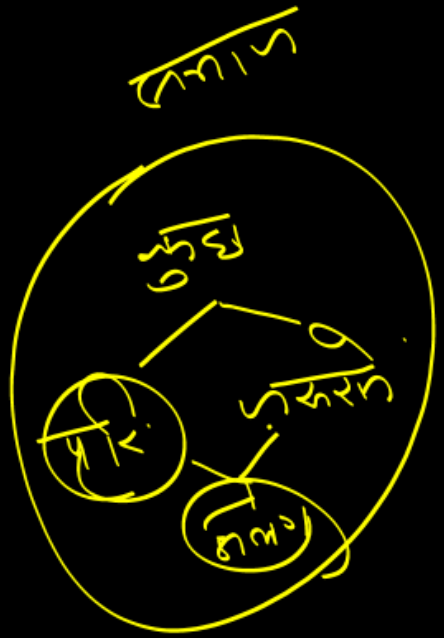
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. उचित वितरण — सामाजिक लाभों, कर्तव्यों और अवसरों का न्यायपूर्ण बँटवारा होना चाहिए।

5. सामूहिक कल्याण — न्याय का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत हित नहीं, बल्कि पूरे समाज की भलाई भी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

24. "विशेष जरूरत का विशेष ख्याल" सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर — विशेष जरूरतों का विशेष ख्याल सामाजिक न्याय का एक प्रमुख सिद्धांत है। इसके अनुसार समाज में कुछ व्यक्तियों की अलग परिस्थितियों और जरूरतों को ध्यान में रखकर उन्हें विशेष सहायता प्रदान करना न्यायसंगत हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य विशेषताएँ :

1. **विशेष जरूरतों की पहचान** — समाज के सभी व्यक्तियों की परिस्थितियाँ और आवश्यकताएँ एक जैसी नहीं होतीं।
2. **विशेष सहायता** — शारीरिक विकलांगता, आयु तथा अन्य वंचनाओं के कारण कुछ व्यक्तियों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता हो सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. **वास्तविक समानता** — केवल सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना हमेशा न्यायपूर्ण परिणाम नहीं देता।

4. **समान अवसर** — विशेष सहायता से जरूरतमंद व्यक्तियों को दूसरों के समान अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

5. **शैक्षिक सुविधाएँ** — दृष्टिहीन विद्यार्थियों को परीक्षा में अतिरिक्त समय देना विशेष जरूरतों के सिद्धांत का उदाहरण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

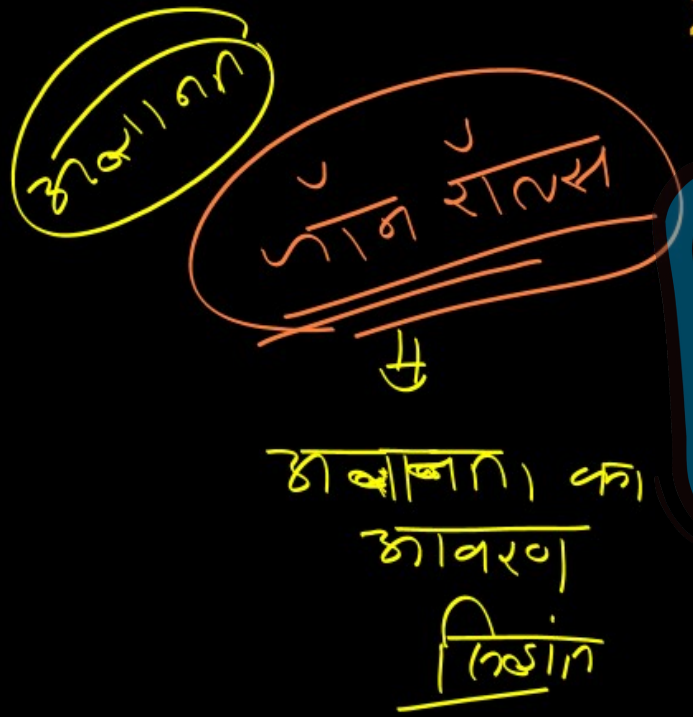
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. **आरक्षण की व्यवस्था** — भारत में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए शिक्षा तथा सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

7. **समान बर्ताव का विस्तार** — विशेष जरूरतों का ध्यान रखना समानता के सिद्धांत का विरोध नहीं, बल्कि उसका विस्तार है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



25. रॉल्स के न्याय सिद्धांत को संक्षिप्त में समझाइए।

उत्तर — राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल्स ने न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए अज्ञानता के आवरण का विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने निष्पक्ष नियमों के चयन को विवेकपूर्ण निर्णय से जोड़कर समझाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

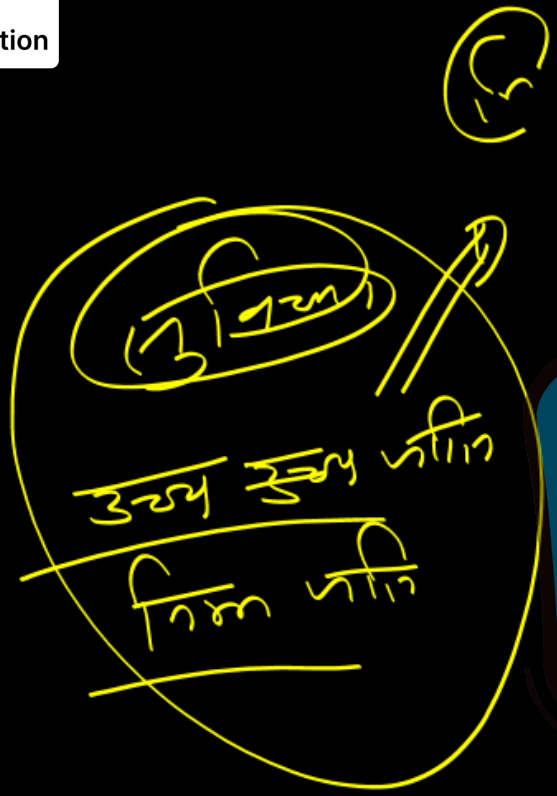
मुख्य बिंदु :

1. **अज्ञानता का आवरण** — रॉल्स के अनुसार व्यक्ति को ऐसी काल्पनिक स्थिति में सामाजिक नियम चुनने चाहिए, जहाँ उसे अपनी भावी सामाजिक स्थिति का ज्ञान न हो।

2. **सामाजिक स्थिति की अज्ञानता** — व्यक्ति को यह पता न हो कि वह धनी होगा या गरीब, उच्च जाति में जन्म लेगा या निम्न जाति में तथा सुविधासंपन्न होगा या सुविधाहीन।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. **निष्पक्ष निर्णय** — अपनी भावी स्थिति की जानकारी न होने से व्यक्ति ऐसे नियम चुनने के लिए प्रेरित होगा जो विभिन्न सामाजिक स्थितियों में उचित हों।

4. **कमजोर वर्गों की सुरक्षा** — व्यक्ति यह संभावना ध्यान में रखेगा कि वह स्वयं समाज के सबसे सुविधाहीन वर्ग में जन्म ले सकता है।

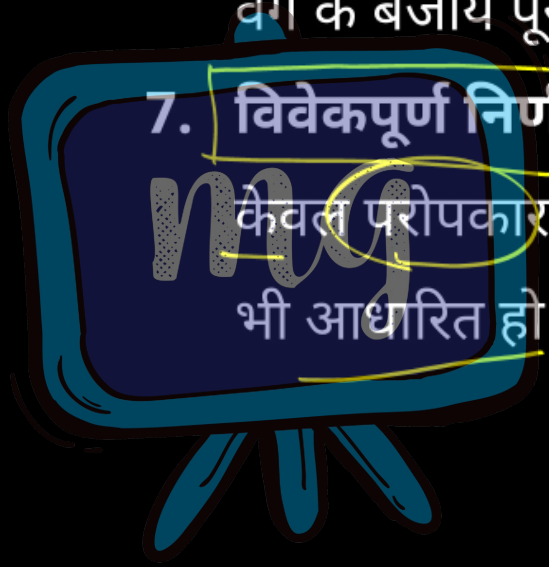
5. **बुनियादी सुविधाएँ** — न्यायपूर्ण व्यवस्था में शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता महत्त्वपूर्ण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. **सामूहिक हित** — चुने गए नियम केवल किसी एक वर्ग के बजाय पूरे समाज के हित में होने चाहिए।

7. **विवेकपूर्ण निर्णय** — रॉल्स के अनुसार निष्पक्षता केवल परोपकार पर नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण विचार पर भी आधारित हो सकती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

26. विभेदक बर्ताव द्वारा समानता कैसे स्थापित होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर — विभेदक बर्ताव का अर्थ विशेष परिस्थितियों में व्यक्तियों की जरूरतों के अनुसार अलग व्यवहार करना है। सामाजिक न्याय के अंतर्गत ऐसा व्यवहार वास्तविक समानता और न्यायपूर्ण अवसर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मुख्य बिंदु:

1. **असमान परिस्थितियाँ —** समाज के सभी व्यक्तियों की सामाजिक, आर्थिक और शारीरिक स्थितियाँ एक जैसी नहीं होतीं।
2. **विशेष जरूरतें —** कुछ व्यक्तियों को उनकी विशेष परिस्थितियों के कारण अतिरिक्त सहायता की जरूरत होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. **समान अवसर** — विशेष सहायता का उद्देश्य जरूरतमंद व्यक्तियों को दूसरों के समान अवसर प्राप्त करने योग्य बनाना है।

4. **शारीरिक विकलांगता** — विकलांगता वाले व्यक्तियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विशेष सुविधाएँ प्रदान की जा सकती हैं।

5. **शैक्षिक सहायता** — दृष्टिहीन विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए अतिरिक्त समय देना न्यायपूर्ण विभेदक बर्ताव का उदाहरण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. **आरक्षण का प्रावधान** — शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण वंचनाओं को कम करने का प्रयास है।

7. **न्यायपूर्ण समानता** — विशेष सहायता प्रदान करना समान बर्ताव के सिद्धांत का आवश्यक विस्तार हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

27. विभेदक बर्ताव द्वारा समानता कैसे स्थापित होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर — समानता का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के साथ हर परिस्थिति में बिल्कुल एक जैसा व्यवहार करना नहीं है। कुछ व्यक्तियों और समुदायों को समान अधिकारों का वास्तविक लाभ प्राप्त करने के लिए विशेष सुविधाओं एवं विभेदक बर्ताव की आवश्यकता होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विभेदक बर्ताव द्वारा समानता स्थापित करने के प्रमुख उपाय:

1. **विशेष आवश्यकताओं की पहचान:** कुछ व्यक्तियों को शारीरिक अथवा सामाजिक परिस्थितियों के कारण अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है।
2. **दिव्यांग व्यक्तियों को सुविधाएँ:** दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक भवनों में विशेष ढलान वाले रास्ते अर्थात् रैम्प बनाना समान अवसर प्रदान करने का उपाय है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. **महिलाओं की सुरक्षा:** रात्रि में कार्य करने वाली महिलाओं को आवागमन के दौरान विशेष सुरक्षा प्रदान करना उनके समान कार्य-अधिकारों के उपयोग में सहायक है।

4. **वंचित समुदायों की सहायता:** ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों को शिक्षा और रोजगार में विशेष सहायता देकर उनकी स्थिति सुधारी जा सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. **शैक्षिक अवसर:** कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, छात्रावास तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जा सकती हैं।
6. **समान प्रतिस्पर्धा:** विशेष सहायता का उद्देश्य वंचित व्यक्तियों को अन्य व्यक्तियों के साथ उचित प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है।
7. **भेदभाव और समानता में अंतर:** सभी प्रकार का अलग व्यवहार अन्यायपूर्ण नहीं होता। समान अवसर बढ़ाने वाला विशेष व्यवहार न्यायोचित हो सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

8. **सावधानी:** विशेष सुविधाओं का उद्देश्य नई असमानताएँ या विशेषाधिकार उत्पन्न करना नहीं, बल्कि वास्तविक समानता स्थापित करना होना चाहिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

28. समानता के तीन प्रमुख आयामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर — समानता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक एवं राजनीतिक आदर्श है। समाज में विद्यमान विभिन्न असमानताओं को दूर करने के लिए समानता के तीन प्रमुख आयाम माने गए हैं— राजनीतिक समानता, सामाजिक समानता और आर्थिक समानता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. **राजनीतिक समानता:**
   i. समान नागरिकता: लोकतांत्रिक समाज में सभी नागरिकों को समान नागरिकता प्रदान करना राजनीतिक समानता का प्रमुख आधार है।
   ii. समान राजनीतिक अधिकार: मतदान, संगठन बनाने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे अधिकार राजनीतिक समानता से संबंधित हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iii. राजनीतिक भागीदारी: राजनीतिक अधिकार नागरिकों को राज्य के कार्यों में भाग लेने और अपने विकास के अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

2. **सामाजिक समानता:**

i. सामाजिक भेदभाव का विरोध: सामाजिक समानता के लिए जाति, लिंग और सामाजिक स्थिति के आधार पर होने वाले अन्यायपूर्ण भेदभाव को दूर करना आवश्यक है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ii. बुनियादी सुविधाएँ: सभी को उचित पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएँ, अच्छी शिक्षा तथा न्यूनतम वेतन जैसी आवश्यक सुविधाएँ मिलनी चाहिए।

iii. समान अवसर: सामाजिक बाधाओं को हटाकर प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं और प्रतिभा के विकास का अवसर मिलना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. **आर्थिक समानता:**

i. आर्थिक असमानताओं में कमी: आर्थिक समानता का उद्देश्य व्यक्तियों और वर्गों के बीच धन, संपत्ति तथा आय की अत्यधिक असमानताओं को कम करना है।

ii. आर्थिक अवसर: समाज में सभी व्यक्तियों को अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने और विकास के अवसर प्राप्त होने चाहिए।

राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक समानता के तीनों आयाम परस्पर महत्त्वपूर्ण हैं। अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए तीनों क्षेत्रों में समानता को बढ़ावा देना आवश्यक है।